BABA MASTNATH UNIVERSITY

ASTHAL BOHAR, ROHTAK

Public Relations Office

Name of the Publication ....Hari Bhoomi........

Date 22/05/2025 .... Page ....12.... Column ....01....

Subject ....बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय मे हुआ जागरूकता कार्यक्रम....

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

- छात्रों ने रचनात्मकता के माध्यम से दिया मधुमक्खियों को बचाने का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶रोहतक

रोहतक। मधुमक्खी दिवस के अवसर पर बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में पोस्टर प्रतियोगिता के प्रतिभागी। फोटो: हरिभूमि

विश्व मधुमक्खी दिवस के अवसर पर बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान संकाय द्वारा कुलपति प्रोफेसर डॉ. एचएल वर्मा के मार्गदर्शन में मधुमक्खियों के महत्व और उनके संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख कीट विशेषज्ञ डॉ. दिलबाग सिंह अहलावत के साथ-साथ संकाय के शिक्षक डॉ. विकास भारद्वाज, डॉ. कृपाराम और डॉ. एकता ने भी भाग लिया। उन्होंने बताया कि मधुमक्खियां प्रकृति की जैविक विविधता में एक केंद्रीय भूमिका निभाती हैं। विशेष रूप से परागण की प्रक्रिया में इनका योगदान अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

डॉ. अहलावत ने कहा कि यदि मधुमक्खियां न हों, तो न केवल खाद्य उत्पादन में भारी गिरावट आएगी, बल्कि संपूर्ण पारिस्थितिक तंत्र असंतुलित हो जाएगा।

विश्वविद्यालय के प्रमुख प्रो. (डॉ.) रणबीर सिंह मलिक ने कहा कि मधुमक्खियां केवल शहद उत्पादन के लिए ही नहीं, बल्कि समग्र पारिस्थितिक संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। हमें सामूहिक रूप से इनके संरक्षण की दिशा में कार्य करना होगा।

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय रोहतक में पुस्तक वार्ता सत्र के दौरान पुस्तक दिखाते हुए पुस्तक लेखन। फोटो: हरिभूमि

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में पुस्तक वार्ता सत्र का आयोजन

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में कुलपति प्रोफेसर डॉ. एचएल वर्मा के मार्गदर्शन में पुस्तक वार्ता सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के उन शिक्षकों को आमंत्रित किया गया, जिन्होंने वर्ष 2021 से 2025 के मध्य पुस्तक लेखन में सक्रिय भूमिका निभाई है। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों द्वारा रचित पुस्तकों के पीछे की प्रेरणा, उनके लेखन अनुभव और उन पुस्तकों की शैक्षणिक उपयोगिता को विद्यार्थियों तथा अन्य शिक्षकों के समक्ष प्रस्तुत करना रहा। यह आयोजन शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच साहित्यिक संवाद को सशक्त करने की दिशा में एक सराहनीय पहल सिद्ध हुआ। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वय डॉ. सीमा शर्मा, सहायक प्रोफेसर एवं इंचार्ज, मुख्य पुस्तकालय द्वारा किया गया। इस पुस्तक वार्ता सत्र में विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित विद्वानों ने भाग लिया, जिनमें डॉ. अरुप, डॉ. मंजीत, डॉ. दीपकयादव, डॉ. ब्रिजेश, डॉ. अनिल कनवा, डॉ. देवेंद्र, डॉ. प्रदीप, डॉ. अरुणचल, डॉ. वीके श्रीवास्तव आदि शामिल रहे। इन सभी शिक्षकों ने न केवल अपनी पुस्तकों के विषय में विस्तार से बताया, बल्कि यह भी साझा किया कि उनकी कृतियां विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम, शोध व प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में किस प्रकार सहायक हैं। प्रत्येक वक्ता ने अपने अनुभवों के माध्यम से यह बताया कि पुस्तक लेखन न केवल एक बौद्धिक प्रक्रिया है, बल्कि यह एक जिम्मेदारी भी है, जिससे समाज और शिक्षा जगत दोनों लाभान्वित होते हैं। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों व विद्यार्थियों के बीच जीवंत संवाद भी हुआ।